12th फेल पुस्तक परीक्षण

- पुस्तक का नाम- 12thफेल
- लेखक का नाम - अनुराग पाठक
- प्रकाशन- नियोलिट प्रकाशन
- साल-2019

हारा वही जो लड़ा नहीं

सारांश -

12th फेल किताब अनुराग पाठक ने लिखी है। यह किताब मनोज कुमार की जीवनशैली पर आधारित है। शून्य से शिखर की कहानी है **12th Fail** किताब, अनुराग पाठक ने कुछ यंू लिखा **IPS** का सफर लेखक अनुराग पाठक ने बड़ी बेहतरीन तरीके से आईपीएस मनोज शमा के तैयारी के दिनों का वर्णन किया है. एक लड़का जिसने पढ़ाई-लिखाई छोड़कर अपने कस्बे के चौहारे पर टेम्पो चलाने का फैसला कर लिया था. उसे कहां से ऐसा मोटिवेशन मिला की एक दिन वो देश की सबसे बड़ी परीक्षा को पास कर गया.ऑटो चालक से IPS बनने का सफर कहानी शुरू होती है मध्य प्रदेश के जौरा तहसील के एसडीएम कायलय से, जहां अपनी टेम्पो को छुड़ाने गया टेम्पो वाला एसडीएम से इतना प्रभावित हुआ कि खुद ऑफिसर बनने का फैसला कर लिया. ये लड़का बारवीं की परीक्षा नहीं पास कर पीया था कारण था गणित और अंग्रेजी में कमोजर होना. इसकी वजह से सांइस छोड़कर आट्स की तरफ रुख करना पड़ा. आट्स की तरफ जाना मनोज के लिए वरदान सा साबित हुआ.ग्वालियर से बीए करने के बाद मनोज ने कुछ दिन ग्वालियर में रह कर पढ़ाई की इस दौरान मनोज ने आटे की चक्की में काम करने से लेकर पुस्तकालय में सोने जैसे तामाम काम किए. खुद के खचा का निवाह किया और फिर यूपीएससी की तैयारी करने दिल्ली आ गए. जहां मनोज ने खच चलाने के लिए पालतू कुत्ते को घुमाने तक का काम भी किया. दिल्ली में ही पढ़ाई के दौरान मनोज की मुलाकात श्रद्धा से हुई जिनसे मनोज अंग्रेजी पढ़ा करता था. मनोज के मन में सबसे बड़ा डर था बारवीं में फेल होना. एक दिन मनोज के जीवन के सारे संघष पूरे हुए और लास्ट अटेम्पट में अब तक के तमाम उतार-चढ़ाव को पार करने के बाद मनोज ने UPSC परीक्षा क्लीयर कर मनोज शमा के संघष को काफी करीब से देखने वाले उनके पीसीएस मित्र अनुराग पाठक ने यह किताब लिखा है. मनोज के जीवन की कठिनाइयों का वणन करते हुए किताब ट्वेल्थ फेल को बड़ी ही खूबसूरतीसे

fलखा गया है. अगर बात करें उपन्यास की भाषा की तो ग्रामीण पृष्ठभूfम से होने की वजह से कहीं-कहीं बुंदेलखंड भाषा का प्रयोग fकया गया है.मनोज के जीवन को उपन्यास में बड़े fदलचस्प तरीके से fदखाया गया है, िजसकी वजह से पाठकों में रोमांच बना रहता है. आfखर में मनोज के इंटरव्यू को fवस्तृत वणन fहंदी भाषी प्रfतयोगी छात्रों की fकसी संजीवनी बूटी से कम नहीं है. उपन्यास के आfखरी पेज पर देश की सबसे बड़ी परीक्षा पास करने के बाद छात्र के प्रfत समाज के fवचारों में प रवतन का बड़ी ही चतुराई से fकया वणन fकया है. 12th फेल किताब मनोज कुमार की IPS अfधकारी बनने की कfडन यात्रा को दषाती है की जीवन में fकतनी भी असफलता आ जाए लेfकन डटकर सामना करना चाfहएरे| अपनी आखरी मंिजल पर उनको यश प्राप्त कीया | एक गरीब घर का लड़का मेहनत करके एक fदन बडा अफसर बन गया। और यह खुशी अपने प रवार के खुशी इस तरह से झलक उठी की मन को ऐसा लगा यह अपने हर fदनो क बोझ हलका हो गया |ओर याही कामयाबी हो ती है। अपने सपनो को पुरा करने की. मनोज कुमार ने अयोग्यता को योग्यता में बदल घडाया और असफलता के कदम इस तरह से चुमे fक हर fकसी की उम्मीदो पर खरे हो गए।

विश्लेषण

इस किताब से अनुराग पाठक केहते |है की हारा वहीं जो लढा नहीं हम हमारे जीवन में इतनी जल्द हार मान लेते है की लढने का शब्द खत्म हो जाता है। जो जीवन मे लाढ सका वो कामयाबी का fशखर ले चुका.। हमारे जीवन मे " संकल्प समपन और अनुशासन से पूण एक अद्भुत fवचार " fवचार येसा हो जिससे हमे प्रेरणा fमले की अपने अयोग्यता पर कभी भी हार नहीं माननी चाfहए| मनोज कुमार सर ने अपरे ग रबी को हराया और अपने िजतके fदखाया उन्होंने अपने सपने को कामयाब fकया. जीवन मे इतना लढा की हार को भी हार मानना पड़ा। कामयाबी कीतनी भी आ जाए हमार एक ही लक्ष होना चाfहए जो अपने मंिजल तक जाने के fलए।.

ताकद और कमजोरीया.

इस किताब ने मनोज कुमार के सपनो में उनकी ग रबी में उनकी कमजोरीया.थी। पर उन्होने उस गरीबी से कभी समझोता नहीं fकया बाल्की उन्होने उस कमजोरी को अपनी ताकद बनया उन्होने बोहोत सारी जगह पर काम fकया और पढ़ाई करके परीक्षा दी। और उनकी सबसे बडी कमजोरी जो 12th फेल उनका पीछा नहीं छोडा बल्की आगे इंटरव्यू के समय पर 12th फैल ल में उनके सफलता के सीडी पर रोकके रखा था। लेकीन कभी हार नहीं मानी और अपनी कमजो रयों को हराया। हमारी ताकद ही हमारा सपना पुरा करती है। और इसी तरह मनोज कुमार ने अपने सपने को पूरा करने का होसला fदखाया था।

व्यक्तिगत विचार

10th fail किताब अपने आप में ही एक बडी सफलता है जो अपने सपनो को भी पूरा करने का हौसला रखाती है। अपने कमजोरी कुछ ऐसा बढाया की कमजोरी ही सबसे बड़ी ताकद बन जाए 12th में फैले होने के बावजूद

IPS अफसर बनके fदखाया। हमे हमारे जीवन में " fवकल्प बहुत fमलेंगे माग भटकाने के fलए !! संकल्प एक ही रखना मंिजल तक जाने के fलए...!! यह fवचार सबके मन में होना चाfहए तभी हम मंजील हासील कर सकते है। उस किताब में मे न्मारे जीवन में बहुमुल्य बदल बढाया गया| हमारी जीवन मे कभी भी हमारी कमजोरी नहीं होनी चाfहए बल्की कमजोरी को हमारी ताकद बनानी काहीये जैसे मनोज कुमार ने अपने 12th फेल कमजोरी को इंटरव्ह्यु मे ताकत बनाया ओर बुलंfदयो को छु fलया| एसा होसला रखणा चाfहए जीवन मे|

निष्कर्ष

UPSC अगर अपने मन में ठान fलया था कुछ भी करना मुमकीन है। उसीfलए अनुराग पाठक केहते है हारा वहीं जो लढा नहीं। हमारे सभी युवाओने ईस किताब को अपने मन,मे ठान लेना चीfहये मंिजल तक जने का रस्ता fकत्रा भी मुिश्कल क्यू ना हो सामना करना चाfहए जैसे मनोज कुमार ने कfठनाईयो का सामना करके अपने कमजो र को हरामा |उसी तरह हमे भी अपने आप पर भरोसा रखफर आगे बढ़ना चाfहए। उस किताब से मन पर बोहत महत्वपूण प्रभाव पड़ता तो अपने आप में एक बदल घडवा सकता है।.

****
****